<u>**भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण**</u>

<u>**प्रेस विज्ञप्ति**</u>

<u>**पेक्यांग, हवाई अड्डे सिक्किम पर कार्य पुन: आरंभ किया जाना।**</u>
<u>**हवाई अड्डे को सितम्बर 2017 तक प्रचालनात्मक किया जाना है।**</u>

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 2015 : पेक्यांग हवाई अड्डे पर कार्य पुनः आरंभ करने हेतु श्री आर. विजय कुमार, सचिव डीओएनईआर, श्री आर.एन. चौबे, सचिव (नागर विमानन) तथा नीति आयोग एवं नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारियों की उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा सिक्क्मि राज्य सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। हवाई अड्डे के आस-पास रहने वाले स्थानीय लोगों ने भू-भराव कार्यों के कारण अपने घरो की क्षति के लिए मुआवजे की मांग के मामले पर जनवरी, 2015 से यह कार्य रोक दिया था। राज्य सरकार 15 अगस्त तक घर्रो को शिफ्ट करने हेतु प्रतिबद्द है ताकि भाविप्रा कार्य आरंभ कर सके।

1 अक्तूबर, 2015 (मानसून के बाद) से कार्य आरंभ होना है तथा यह सुविधा 2017 तक प्रचालनात्मक हो जाएगी। वर्तमान में 75 % विकास कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य अगले दो वर्किंग सीज़न में पूर्ण हो जाएगा।

भाविप्रा द्वारा इस हवाई अड्डे को ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के रुप में विकसित करने के लिए मूल रुप से 309.46 करोड़ रुपए की लागत रखी गई थी। परन्तु यह लागत बढ़कर 609.59 रुपए हो गई। हवाई अड्डे के विकसित होने पर यह एटीआर 72 प्रकार के विमानो को संभालने हेतु सक्षम हो जाएगा।

पेक्यांग सिक्किम राज्य का एक ऐसा हवाई अड्डा है जहां मानसून सीज़न के दौरान पहाड़ियों के भूस्खनल के कारण कनकटिविटी कम हो जाने की वजह से देश के अन्य भागों से संपर्क स्थापित करने में बहुत बाधांए आती है। हवाई अड्डे की उपलब्धता से वहाँ के जनसामान्य की चिर-प्रतिक्षित इच्छा पूर्ण हो जाएगी तथा उन्हे देश के अन्य भागों से आवागमन की उत्तम संपर्क की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा इससे राज्य की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

पर्वत के छोर पर पहाड़ काटकर तथा घाटी की तरफ जियो तकनीकी भराव हेतु खुदाई कार्य का प्रयोग कर हवाई अड्डे की भूमि को सुधारा गया है। घाटी की तरफ भू-भराव को रखने हेतु 74 मी (230 फीट) ऊँचाई (मजबूत चारदीवारी/ खुदाई से निकले प्रस्तर कार्य/ गैबियन का निर्माण किया गया है (विश्व की सबसे विशाल मजबूत संरचना)

दिक्चालन सुविधाएं और यात्री टर्मिनल सहित हवाई अड्डा निर्माण का कार्य जून 2017 तक पूर्ण हो जाएगा तथा उड़ान प्रचालन दिसम्बर 2017 तक शुरु हो जाएगा।

....

जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

महाप्रबंधक जनसंपर्क, भाविप्रा 9810025069,011-24622787

सं- 22/2015-16

पेक्यांग हवाई अड्डे पर कार्य को पुनः आरभ करने हेतु सुश्री सिंघुश्री खुल्लर, सीईओ, नीति आयोग (मध्य में) सुश्री रिंचन औंगमू, मुख्य सचिव, सिक्किम सरकार (दाए तरफ) की गरिमायमी उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एवं सिक्किम की राज्य सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। श्री एस. रहेजा, सदस्य (योजना), भाविप्रा तथा नीति आयोग, डी ओ एनईआर तथा सिक्किम सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी दिखाई दे रहे है। श्री पवन कुमार नागपाल, कार्यपालक निदेशक (इंजी), भाविप्रा तथा श्री सी. जंगपो, सचिव, पर्यत्न व नागर विमानन, सिक्किम सरकार द्वारा समझौता-ज्ञापन की अदला-बदली की गई।